Dedicated to

My Beloved Parents

नास्ति विद्यासमो बन्धुर्नास्ति विद्यासमः सुहृत् ।

नास्ति विद्यासमं वित्तं नास्ति विद्यासमं सुखम् ॥

भावार्थ:

विद्या जैसा बंधु नहीं, विद्या जैसा मित्र नहीं, (और)
विद्या जैसा अन्य कोई धन या सुख नहीं ।